फरद मलकी / फरद रैयती Page No. : 138
नाम रैयत मय वलिदयत जमाबन्दी Vol. No. : 21
वो सकुनत नम्बर। Receipt No. : 0762054565

रकबा (एकड़ में)

... एकड़ 6 डिसमील 0 गुराय

2050

2020 5000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५000रु. Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हजार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

नाम - मोकीर

श्री मनोज कुमार सिन्हा पिता स्व० द्वारिका प्रसाद जाति कायस्थ पेशा खेती साकीन मौजा सिंघानी परगना गोरिया कोप्पलल गड़ा थाना इटखोरी जिला चतरा।

नाम - मोकीर अलैहा

श्री मती सावित्री देवी पति श्री सुरेश प्रसाद सिंह कायम जाति भूमिहार ब्राह्मण भारतीय पेशा गृहणी साकिन मौजा [illegible] थाना [illegible] जिला चतरा।

किसीम - वसीका

बैनामा - कैन - [illegible] (Sale Deed)

श्री मनोज कुमार सिन्हा मो० 2,25000/(दो लाख पच्चीस हजार) रुपया नगद पाकर मवाजी 06 डिसमील (छः डिसमील) जमीन का बैनामा लिखा दो तिथि 04-04-2007

[illegible] 04/04/07

1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हज़ार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

२.

बशाहत कीस- मोवईया वार्ड न० १२

मकान ० ६ डी० (छः डीसमील) जमीन "आवासीय" हैसियत सैमती कायमी का के मौजा कस्बे-चतरा महल्ला दीमा वार्ड न० १२ प्रगना अदुरी थाना न० १६४ अन्दर-चतरा नगर पालिका चतरा थाना जिला वो जिला सब रजि० चतरा के तौजी न० ७८ खेवट न० खास १ (एक) के अन्दर खाता न० ३२० (तीन सौ बीस) प्लौट न० ९६१ (नौ सौ एकावन) हाफ प्लौट न० ९६१ (नौ सौ एकावन कटाइक) रकवा ०.४९ डिस० मध्ये रकवा ०.६ डी० (छः डी०) मैंसे मकान पक्का।

जिसका नाप!- पुरब से पश्चिम ४४½ कड़ी उत्तर तरफ, पुरब से पश्चिम ४४½ कड़ी दक्षिण तरफ, - उत्तर से दक्षिण १३६ कड़ी पुरब तरफ वो पश्चिम तरफ उत्तर से दक्षिण १३५ कड़ी है। जिसका चौहदी उ० कान्ता दे० सावित्री देवी वो गांगा देवी पु० किमिता देवी वो प० सीता पाठक है।

माल गुजारी!- मो० ७५ पैसा अलावे बोध/ माल गुजारी रसीद अंचल-चतरा के रजि० II के पृष्ठ संख्या ८१/१६ के अनुसार विक्रेता के नाम से निर्गत हो रहा है।

मनोज कुमार सिंह
05-04-2007

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते
भारत

एक हज़ार रूपये ONE THOUSAND RUPEES

1000 Rs.

यह कि उपरोक्त जायदाद हासिल शुदा खरीदगी कोबाला बै नं० लाकलामी नं० 3066 ता० 19-9-2006 बुक नं० 1 भो० 66 पेज 189 ता० 161 सन् 2006 के जरिये बृज मोहन प्रसाद बनाम श्रीमती मन मोकीर के नाम से है जिस पर मन मोकीर खरीदगी रोज से शान्ति पूर्ण रूप से कायम व काबिज दखल कार चले आते हैं व है व आज तारीख में क्रेता स्दर के साथ बिक्री करते हैं।

यह कि मन मोकीर को जरूरत रुपैया वास्ते कार्य चन्द जायज व जरूरी के असद है।

यह कि इसलिए मन मोकीर जमीन मुतजकिरै बाला को मय कुल रजा व रगबत कबालात सेहत आत. व सबात ... के कबुल कीमत अदद मो० 2,25000/- दो लाख पच्चीस हजार रुपैया नकद जरसमन पाकर साथ जमीन कुल हक हकूक के बनाम व बहक मोकीर अलैहा स्दर क्रेता के

श्री. मनोज कुमार ...
04-05-2007

मनोज कुमार मेहता
04-04-2007

मनोज कुमार मेहता
04-04-2007

प्रमाणित किया जाता है कि प्रत्येक व्यक्ति का फोटो [illegible] दस्तावेज में लगा है के बायें हाथ व पांचों अंगुलियों का निशान मेरे सामने किया गया है दस्तावेज [illegible] में है।

[illegible]
04.04.07

मालिक मुस्तकील गरदाना वो पुरा पुरा
दखल कब्जा दे दिया वो जमीन मजकूर
हर एक वारिस मुवरा रवबल से
बिल्कुल पाक वो साफ है वो कुल
जरसमन मन मोफीट मोकिर मलीहा
रवकर से कबूल वोनाक पा चुके हैं
अब कोई रूपर मोहिरा बाकी नहीं रहा
वो ना बाकी का कभी भी दावा करेंगे
इसलिये केवाला बैय
लाकवामी मजा लिख दिया की
समय पर काम आवे फकत।
मो० - फतरा। ता० ४-४-२००६ ई०
कातिब विरेन्द्र कुमार साकिन - फतरा।
लि० लो० न० २६/०६ मजमून बमोका
हुआ पढ़कर फरिकैन को सुना वो
समझा दिया था। ता० ४.४.२००६ ई०
नोट!- केवाला दो प्रति में लिखा गया
है मुख्य प्रति का दुसरी प्रति हुबहु
सच्ची प्रति है। वा कातिब
४.४.२००६ ई०

प्रारूपकर्ता

ह०/- मनोज कुमार सिंह
04-05-2007

ला० नं० 25/06